सत्यमेव जयते

राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस नोट

## ''अन्तर्राष्ट्रीय जैव–विविधता दिवस'' के अवसर पर राज्यपाल ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया

देहरादून दिनांक 22 मई, 2012

अन्तर्राष्ट्रीय जैव–विविधता दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड जैव–विविधता बोर्ड, वन विभाग तथा वन अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के तत्वावधान में एफ.आर.आई में आज एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तराखण्ड के राज्यपाल डा0 अज़ीज़ कुरैशी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। जैव–विविधता के संरक्षण व संवर्धन के प्रति छात्र–छात्राओं को संवेदनशील बनाने की दृष्टि से 20 मई को जैव–विविधता बोर्ड द्वारा विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए एक निबन्ध व चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी। जिसमें श्रेष्ठ रचना व कला के विजेता 20 विद्यार्थियों को आज राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत किया है। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार कुमारी मुस्कान राणा तथा रूपाली उनियाल, निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार आशुतोष बडोनी तथा एफ.आर.आई. यूनिवर्सिटी की निशिता गिरी को दिया गया।

पुरस्कृत बच्चों की हौसला अफज़ाई करते हुए राज्यपाल ने जैव–विविधता व मनुष्य के अस्तित्व के सम्बन्ध को अटूट बताते हुए कहा कि हमारे प्रदेश की समृद्ध जैव–विविधता के संरक्षण व संवर्धन का संकल्प लेने के साथ ही बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण के लिए उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रत्येक बच्चे को एक वृक्ष लगाने तथा उसकी पूरी देख–भाल करने का भी संकल्प लेना होगा।

राज्यपाल ने बच्चों को उनकी रचनात्मक प्रतिभा को सम्मानित करने पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा–**''देवभूमि उत्तराखण्ड जैव–विविधता की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध है, विशेषतः जड़ी–बूटी/औषधीय पादपों के क्षेत्र में। आज भी 80% लोग इन्हीं औषधीय पौधों पर आधारित चिकित्सा पद्धति पर विश्वास करते हैं। आयुर्वेद तथा यूनानी पद्धति से चिकित्सा पर जन–सामान्य का सदैव ही अटूट विश्वास रहा है। इससे यह प्रमाणित होता है कि जैव–विविधता से मानव जीवन का अटूट रिश्ता है।''**

राज्यपाल ने यह भी कहा कि जैव–विविधता मानव के अस्तित्व का बुनियादी आधार है क्योंकि हमारी जीविका से लेकर स्वास्थ्य, संस्कृति, सभ्यता तथा विकास, जैव–विविधता से अभिन्न रूप से जुड़ा है। उन्होंने जैव–विविधता के लिए उत्पन्न खतरों से निबटने के लिए व्यापक जन–जागृति को आवश्यक बताया।

आज के कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। अतिथियों के स्वागत की परम्परा संपादित होने के बाद उत्तराखण्ड जैव–विविधता बोर्ड के अध्यक्ष डा0 बी.एस. बर्फाल, आई.सी.एफ. आर.आई. के महानिदेशक डा0 बहुगुणा, प्रमुख वन संरक्षक डा0 आर.बी.एस. रावत तथा निदेशक एफ.आर. आई. श्री पी.पी. भोजवैद्य ने समारोह को सम्बोधित करते हुए वैश्विक परिवेश में उत्तराखण्ड की जैव–विविधता पर व्यापक प्रकाश डाला। हेमवती नंदन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रमेश शर्मा ने टिहरी डैम के विशेष परिप्रेक्ष्य में 'जलीय जैव–विविधता' पर विस्तृत प्रकाश डालकर ज्ञानवर्द्धक जानकारियां दी।

समारोह में राज्यपाल के साथ उनके ए.डी.सी. मेजर चौधरी, केन्द्र एवं राज्य सरकार के अनेक वरिष्ठ अधिकारी (वन एवं अनुसंधान) विशेषज्ञ, वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी, स्कूली छात्र–छात्राएं, शिक्षक आदि उपस्थित थे।

————0————

सूचना अधिकारी, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0 9456590619, का0 0135 2756172